



बिहार में पर्यटन विकास की संभावनाएं और चुनौतियाँ : एक भौगोलिक विश्लेषण

सुनीता कुमारी, शोधार्थी, भूगोल विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

डॉ. अनुपम कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, राजेंद्र कॉलेज, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

सारांश

बिहार की संस्कृति में पर्यटन आदिकाल से विद्यमान रहा है। बिहार सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक आकर्षणों का खजाना रखता है, जो इसे पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य स्थल बनाता है। भारत के पूर्वी भाग में अवस्थित यह राज्य अपनी विविध विरासत और समृद्ध संस्कृति के लिए लोकप्रिय है। बिहार नालंदा जैसे विरासत स्थलों का घर है, जो अपने प्राचीन शिक्षा केन्द्र और बोधगया के लिए भी जाना जाता है। अपनी कला, संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिए विशेष पहचान रखने वाले बिहार को सर्वश्रेष्ठ धार्मिक पर्यटक गंतव्य स्थल पुरस्कार 2023 से भी सम्मानित किया गया है। 3 फरवरी 2024 में प्रभात खबर के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के आधार पर छपे लेख के अनुसार वर्ष 2023 के दिसंबर तक कुल 8.2 करोड़ पर्यटक बिहार आए जिसमें 8.15 करोड़ देशी तथा 5.46 लाख विदेशी पर्यटक थे। पर्यटकों की निरंतर बढ़ती संख्या ने यहाँ पर्यटन विकास को काफी बढ़ावा दिया है तथापि कुछ चुनौतियों का सामना पर्यटकों को करना पड़ता है जो पर्यटन विकास में बाधक है। कुछ पर्यटन केन्द्र आज भी विकास से अछूते हैं तथा उनकी जानकारी भी पर्यटकों को नहीं है। कई पर्यटन केन्द्र जो आज वैश्विक धरोहर हैं फिर भी वहाँ पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं का अभाव है। पर्यटकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है तथा उनको पर्यटन केन्द्र की सही जानकारी भी मिलनी आवश्यक है। इस शोध पत्र में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है जिसको बिहार सरकार के रिपोर्ट तथा आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं बिहार से संबंधित पुस्तकों से लिया गया है। आंकड़ों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है तथा इस तथ्य को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि बिहार पर्यटन विकास के मार्ग पर अग्रसर तो है लेकिन मार्ग में आने वाली चुनौतियों के कारण इसकी रफ्तार आज भी कम है। चुनौतियों के निराकरण हेतु सरकार तथा स्थानीय निवासियों के सक्रिय सहयोग की नितांत आवश्यकता है।

मूल शब्द :- पर्यटन विकास, विविध विरासत, परिवहन साधन, पर्यटन केन्द्र, चुनौतियाँ, निदान, सक्रिय सहयोग।

1. भूमिका :

बिहार अपनी ऐतिहासिक गौरव, सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सुंदरता के कारण पर्यटकों के लिए हमेशा से आकर्षण का केन्द्र रहा है। यहाँ एक ओर राजगीर, नालंदा, गया, वैशाली, पाटलिपुत्र, सासाराम, रोहतास जैसे ऐतिहासिक स्थल हैं तो दूसरी ओर बोधगया, बिहारशरीफ, पटना साहिब तथा कुंडलपुर-पावापुरी जैसे पावन धार्मिक स्थल भी हैं। यह एक ऐसा राज्य है जहाँ सभी धर्म, रुचियों और परंपराओं के लोगों के लिए पर्यटन के अनुकूल अवसर और उपयुक्त स्थल मौजूद हैं। यहाँ की गौरवशाली परंपराएँ, विलक्षण रीति रिवाज़, समृद्ध संस्कृति एवं सामाजिक जीवन पद्धतियाँ, मेले, त्योहार आदि सदियों से देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

2. शोध विधि :

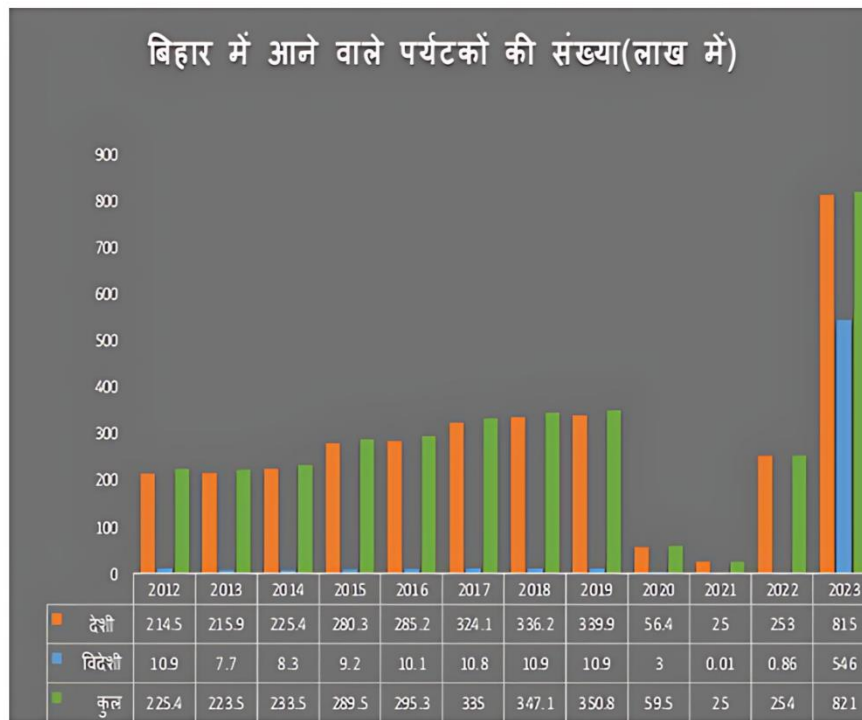
यह शोध पत्र मूलतः द्वितीयक आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। द्वितीयक आंकड़ों को सरकारी रिपोर्ट, बिहार आर्थिक सर्वेक्षण, शोध पत्र, बिहार से संबंधित पुस्तकों तथा समाचार पत्रों में लिखे लेखों से लिए गए हैं। इन आँकड़ों के विश्लेषण के द्वारा बिहार में पर्यटन विकास की प्रवृत्ति तथा पर्यटन विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है। इसके साथ-साथ पर्यटन विकास के रफ्तार को अवरुद्ध करने वाले चुनौतियों तथा अन्ततः उसके निदान की चर्चा भी की गई है।

3. बिहार में पर्यटन विकास की स्थिति :

विविध सांस्कृतिक विरासत को समाहित किये हुए बिहार राज्य पर्यटन विकास के मार्ग पर निरंतर चलायमान है। अपनी कला, संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिए विशेष पहचान रखने वाले बिहार को सर्वश्रेष्ठ धार्मिक पर्यटक गंतव्य स्थल पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का गठन करके राज्य सरकार ने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के विशेष उपाय किए हैं। राज्य के अनेक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के विकास एवं प्रचार के नियमित रूप से विभिन्न कार्य संपन्न किए गए हैं। सैलानियों को आकर्षित करने एवं राज्य के पर्यटन स्थलों के संबंध में उपयुक्त जानकारियाँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य एवं राज्य के बाहर कई पर्यटक सूचना केन्द्र संचालित किए गए हैं तथा आगंतुक पर्यटकों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पर्यटक होटल, पर्यटक बंगला, कैफे हाउस आदि राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित किया जा रहा है। बिहार पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा स्थल बन रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर साल विश्व से लगभग 6 मिलियन पर्यटक बिहार घूमने आते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया 11 नवंबर 2018 के एक सर्वेक्षण के अनुसार 2017 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में बिहार भारत के 10 राज्य तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में से आठवें स्थान पर था। वर्ष 2019 में बिहार में भारत के सबसे अधिक पर्यटक आए जिनकी संख्या 35 मिलियन से अधिक थी जिसमें 11.2 मिलियन विदेशी पर्यटक थे।

प्रस्तुत आरेख में कोरोना का प्रकोप पर्यटकों की संख्या पर देखा जा सकता है। कोरोना के प्रकोप के कारण 2020 और 2021 में पर्यटकों की संख्या में बहुत ही भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2022-23 में इसमें सुधार शुरू हुआ है जिससे पर्यटकों की संख्या में काफी इज़ाफा हुआ है इस भारी इज़ाफे को ग्राफ पर देखा जा सकता है। पर्यटकों की संख्या में इस भारी इज़ाफे का मुख्य कारण पर्यटन केन्द्रों की ब्रांडिंग और प्रचार है। खासकर राजगीर में नेचर तथा जंगल जू सफारी, ग्लास ब्रिज जैसे आकर्षण पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहे हैं। बिहार आने वाले पर्यटकों की संख्या में साल 2022-23 में काफी सुधार हुआ है जिसका आकलन इसमें 50% की भारी वृद्धि से किया जा सकता है।

आरेख : बिहार में आने वाले पर्यटकों की संख्या



Source: Prabhat Khabar January 2023, Arti Singh (2022) tourism in Bihar: page 27 New Delhi, Rajesh Publication

4. संभावनाएँ :

बिहार राज्य में पर्यटन की अनंत संभावनाएँ हैं। बिहार का हर एक क्षेत्र सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधताओं से भरपूर है। इस राज्य का पर्यटन के लिहाज से अंतरराष्ट्रीय महत्व बहुत ज्यादा है। बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई पर्यटन नीति को 7 सेक्टर में बाँटा गया है जिसके जरिए पर्यटन स्थानों पर होटल रेस्टोरेंट और रिसॉर्ट को बढ़ावा देने के लिए सरकार अनुदान भी देगी। इतना ही नहीं अगर कोई पहले के बने होटल को फोर स्टार होटल में तब्दील करना चाहता है तो उसे भी मदद दी जायेगी। इस नीति में राजमार्गों के किनारे पर्यटक सुविधाओं के विकास, कैपिंग साइट और सहासिक खेलों जैसी सुविधाओं के लिए भी सहायता का प्रावधान किया जा रहा है। बिहार में सबसे ज्यादा पर्यटक धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने के लिए आते हैं, लेकिन राज्य सरकार अब इको टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन आदि को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इसके लिए वह वैलनेस और योग केन्द्र को निर्माण कर रही है। रिवर क्रूज संचालन, थीम पार्क, मनोरंजन क्षेत्र, गोल्फ कोर्स यूनिट, पर्यटक बेस मनोरंजन पार्क संचालित करने वालों को सहायता प्रदान करने पर भी विचार कर रही है। बिहार में पर्यटन की असीम संभावना है और इसी को देखते हुए बिहार सरकार की ओर से नई पर्यटन नीति लागू की गई है। पर्यटन के तहत होटल निर्माण, इको टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना है। इसके अलावा सरकार ने सब्सिडी का भी प्रावधान किया है। पर्यटन को बिहार में बढ़ावा देने हेतु बिहार कैबिनेट ने पर्यटन के क्षेत्र में आधारभूत संरचनात्मक समग्र समावेशी विकास एवं निवेश को प्रोत्साहित करने लिए बिहार पर्यटन नीति 2023 को मंजूरी दी गई है, जिसका मूल उद्देश्य है पर्यटन स्थलों के पास मूलभूत बुनियादी ढाँचे का विकास करना है। वित्तीय प्रोत्साहन देना भी इस नीति में शामिल है। इस नीति की मुख्य विशेषता है :-

1. **अवसंरचना विकास :** इसके अंतर्गत पर्यटकों की सहायता हेतु परिवहन और आवास तथा अन्य सुविधाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
2. **विरासत संवर्धन :** राजगीर और नालंदा जैसे पर्यटन स्थलों सहित बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करने पर जोर देने पर बल है।
3. **सार्वजनिक निजी भागीदारी :** इसके तहत अवसंरचना और सेवाओं में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर बल है।

यह पर्यटन संबंधित व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान करती है। साथ ही बिहार के अद्वितीय आकर्षणों को उजागर करने हेतु विपणन अभियान शुरू किया गया है और व्यापक पहुँच के लिए डिजिटल प्लेटफार्म तथा सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा सितंबर 2024 में पर्यटन बुनियादी ढाँचे और बाजार एकीकरण को बढ़ावा देने हेतु बिहार पर्यटन एवं बाजार नीति 2024 को स्वीकृति दी है। जिससे यह राज्य सांस्कृतिक, पारिस्थितिक, विरासत पर्यटन केन्द्र के रूप में उभर सके। इस नीति का उद्देश्य बिहार में सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है तथा पर्यटन स्थल के रूप में इसके आकर्षण को बढ़ाना है। साथ ही रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना भी इस नीति का प्रमुख ध्येय है। बिहार में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और चारों ओर फैले ऐतिहासिक स्मारकों/स्थानों के लिहाज से बिहार में पर्यटन की संभावनाएँ काफी हैं। बिहार में विभिन्न ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक स्थल राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करते हैं। अतः यह आवश्यक है कि संभावित पर्यटन स्थलों के विकास पर बल दिया जाए।

धार्मिक पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक पर्यटन स्थल, पारिस्थितिक पर्यटन स्थल, साहसिक पर्यटन स्थल, स्वास्थ्य पर्यटन स्थल के रूप में आज भी ऐसे भी केन्द्र हैं जिनकी जानकारी पर्यटकों को नहीं है। उदाहरणतया धार्मिक पर्यटन स्थल बडगाँव का छठ (नालंदा), कुंडलपुर (जैन तीर्थ स्थल, नालंदा), जुंम्भिकग्राम (जमुई) कष्टहारिणी घाट (मुंगेर), गरौल शरीफ (सीतामढ़ी), त्रिमोहिनी संगम (कटिहार) जैसे कई पर्यटन स्थल के बारे में पर्यटकों को आज भी जानकारी नहीं है तथा ये आज भी विख्यात नहीं हैं। इसी तरह ऐतिहासिक पर्यटन स्थल में सारण का चिरांद, नालंदा का तेलहारा, सरिलचक, पटना का दीदारगंज (यक्ष-यक्षणी की मूर्ति) जैसे कई पर्यटन स्थल के रूप में बिहार के पहाड़ी क्षेत्र जैसे राजगीर की पहाड़ी, बिहारशरीफ की पहाड़ी, साहसिक पर्यटन स्थल के रूप में गंगा नदी तथा अन्य सदानीरा नदियों पर ड्राइविंग नौकायान के विकास की संभावना काफी है जिस पर काम किया जाना चाहिए। इसी तरह स्वास्थ्य पर्यटन स्थल के रूप में नालंदा सूर्य तालाब, नालंदा तथा मुंगेर की तरह अन्य जिलों के प्राकृतिक कुंड, राजगीर का विरायतान नेत्रालय का स्वास्थ्य पर्यटन के रूप में विकास की काफी संभावना है जिसको वास्तविक एवं सक्रिय कार्य के द्वारा ही पर्यटन केन्द्र के रूप में उभारा जा सकता है।

5. चुनौतियाँ व सुझाव :

बिहार में पर्यटन विकास की रफ्तार को कुछ अवरोध बाधित करते हैं। सबसे पहले राज्य सरकार द्वारा भौतिक, सामाजिक और प्रशासनिक विसंगतियों को ठीक करने की आवश्यकता है। यही विसंगतियाँ चुनौतियों को जन्म देती हैं जिसमें कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं:-

1. **उचित सुरक्षा व्यवस्था का आभाव :** पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
2. **अवसंरचना तथा सुदूर पर्यटन केन्द्रों तक पहुँच पाने में कठिनाई :** प्रायः बुनियादी ढाँचे की कमी और अपर्याप्त कनेक्टिविटी के कारण कई बार पर्यटकों को कुछ विरासत स्थल पर जाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।
3. **पर्यटन केन्द्र की जानकारी का आभाव :** कई पर्यटन स्थलों की जानकारी पर्यटकों को है ही नहीं पर्यटन विकास हेतु यह अति आवश्यक है कि पर्यटक स्थलों को लेकर प्रचार प्रसार पर बल दिया जाए।

4. **आधारभूत सुविधाओं का अभाव :** विश्व विरासत कई पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधा भी नहीं है जैसे शौचालय की सुविधा का नितांत अभाव देखा गया है।
5. **स्वास्थ्य केन्द्र का अभाव :** पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य केन्द्र का विकास किया जाना चाहिए ताकि आपात की स्थिति में पर्यटकों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।
6. **आवंटित राशि का पूर्ण एवं सही उपयोग की आवश्यकता :** पर्यटन विकास हेतु निर्धारित राशि से पर्यटन स्थलों को संवारा जाना चाहिए ताकि पर्यटकों की संख्या में और भी ज्यादा इजाफा हो सके।
7. **स्थानीय लोगों की निष्क्रियता :** पर्यटन स्थलों पर स्थानीय लोगों की सक्रिय तथा साकारात्मक भागीदारी आवश्यक है ताकि पर्यटकों में पर्यटन को लेकर उत्साह बढ़ सके।

बिहार में पर्यटन विकास की अपार संभावनाओं का प्रभावी उपयोग करने हेतु राज्य सरकार को एक समन्वित और दीर्घकालिक रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर स्थलों जैसे नालंदा, वैशाली, बोधगया, राजगीर, और पावापुरी में पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं (जैसे सड़क, जल, स्वच्छता, सूचना बोर्ड, और सुरक्षा) का विकास अत्यंत आवश्यक है। पर्यटन स्थलों को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के लिए डिजिटल मीडिया, सामाजिक मंचों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों का उपयोग किया जाना चाहिए। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ ग्रामीण, पारिस्थितिकी और स्वास्थ्य पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित हों। निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, स्थानीय समुदायों को पर्यटन गतिविधियों में शामिल कर प्रशिक्षण व सहायता दी जानी चाहिए, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और सतत पर्यटन विकास सुनिश्चित हो सके।

उपर्युक्त तथ्यों का SWOC के माध्यम में संक्षिप्त विश्लेषण निम्नांकित तालिका के माध्यम से दिखाया गया है:

SWOC विश्लेषण	
मजबूती (Strengths)	कमजोरियाँ (Weaknesses)
● ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत	● बुनियादी ढांचे की कमी
● सांस्कृतिक विविधता	● प्रचार व प्रशिक्षण में कमी
● गंगा व प्राकृतिक स्थलों की उपस्थिति	● सुरक्षा व स्वच्छता की कमी
● अच्छी परिवहन कनेक्टिविटी	● डिजिटल उपस्थिति की कमी
अवसर (Opportunities)	चुनौतियाँ (Challenges)
● धार्मिक व ईको-टूरिज्म की संभावना	● प्रशासनिक बाधाएं
● सरकारी व निजी निवेश अवसर	● ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण

● डिजिटल प्रचार व ब्रांडिंग	● प्रतिस्पर्धी राज्य
● रोजगार सृजन की संभावना	● परिवहन सुविधा में सुधार की जरूरत

6. निष्कर्ष:

शोधपत्र में शोधक्षेत्र के पर्यटन विकास का विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि बिहार पर्यटन के विविध विरासत का पालना है जो आज भी विकास के मार्ग से गुजरते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तथापि यह राज्य विगत वर्षों में पर्यटकों की भारी संख्या को आकर्षित करने में सफल रहा है जो पर्यटन विकास के लिए मिल का पत्थर साबित हो रहा है। अतः, पर्यटन नीति को समय-समय पर अद्यतन कर भौगोलिक दृष्टिकोण से संवेदनशील क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में कार्य करना आवश्यक है।

7. संदर्भ :

- सिंह आरती. (2022). *टूरिज्म इन बिहार*. राजेश प्रकाशन: नई दिल्ली।
- मिश्रा, पी. (2020). *बिहार में धार्मिक पर्यटन की संभावनाएं और सामाजिक प्रभाव*. भारतीय भूगोल पत्रिका, 45(2), 56–63।
- कुमार, एस. (2019). *बिहार में विरासत पर्यटन: चुनौतियाँ और संभावनाएँ*. पर्यटन अध्ययन समीक्षा, 12(1), 33–40।
- कुमारी कल्पना (2024). *डेवलपमेंट ऑफ टूरिज्म इंडस्ट्री एंड प्रॉस्पेक्ट ऑफ इंप्लॉयमेंट जेनरेशन इन बिहार*
- गुप्ता, ए. (2017). *पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास: एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य*. भूगोल दर्शन, 23(3), 21–28।
- झा, एन. (2021). *बिहार में इको-टूरिज्म की संभावनाएं*. पर्यावरण भूगोल पत्रिका, 10(4), 49–55।
- कुमार, ए. (2020). *वैशाली और नालंदा में बौद्ध पर्यटन का विकास: एक अध्ययन*. भारतीय सांस्कृतिक अध्ययन, 15(2), 66–73।
- वर्मा, डी. (2016). *पर्यटन नीति और योजना: बिहार का परिप्रेक्ष्य*. राष्ट्रीय विकास पत्रिका, 8(1), 11–18।
- शर्मा, पी. (2015). *भारत में सांस्कृतिक पर्यटन: बिहार का योगदान*. इतिहास और संस्कृति, 7(2), 38–45।
- चौधरी, एम. (2022). *बिहार के पर्यटन स्थलों का भौगोलिक वितरण*. भूगोल शोध जर्नल, 13(1), 25–32।
- पांडे, एल. (2019). *बिहार में ग्रामीण पर्यटन का संभावित विकास*. ग्रामीण अध्ययन पत्रिका, 9(3), 54–60।
- यादव, आर. (2021). *बिहार में पर्यटन से रोजगार की संभावनाएं*. आर्थिक विकास दृष्टि, 14(1), 72–78।
- ठाकुर, जे. (2018). *बिहार का ऐतिहासिक पर्यटन: एक मूल्यांकन*. भारतीय इतिहास समीक्षा, 10(4), 88–95।
- सिन्हा, बी. (2020). *बिहार में पर्यटन अवसंरचना की स्थिति और आवश्यकता*. पर्यटन नीति विश्लेषण, 5(2), 40–47।
- त्रिपाठी, वी. (2017). *बिहार में पर्यावरणीय पर्यटन एक स्थायी विकास दृष्टिकोण*. इको-पर्यटन जर्नल, 3(1), 19–25।
- भारत सरकार. (2019). *राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2015–2020*. नई दिल्ली: पर्यटन मंत्रालय।
- प्रभात खबर. (03 फरवरी 2024). बिहार में पर्यटन पर आलेख।